

824

I

422

word book
Rosau





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीचित्रया
 तनमस्कार ॥ ॥ शरीर-सामूर्धो-क्षौ ॥
 केश-संश्लेष-विमिसाललोठ-कपाच
 शु-मिखा ॥ श्रोत्र-कर्ण-ह्रस्वपांनसिका-
 ह्रस्व ॥ मुख-सुत ॥ आस-खा ॥ चिबुक-म
 न ॥ गण्ड-न्यता ॥ कण्ठ-कथा ॥ ग्रीव-गुप
 हस्त-लाहा ॥ पाद-तुति ॥ अंगुलि-पतिचा
 व उदर-चा ॥ बाहु-बोहाजातु सुनि ॥ द
 रि-जालुक-खपा ॥ मू-हृदिक ॥ मस्तक-
 क्षौ ॥ तनु-ह्रा ॥ बाल-सौनयन-लोचन-न
 ज-ईश-निरवा ॥ भुज-दो-लाहा ॥ क
 थाकाचूचुक-उडपी ॥ उर-वक्ष-गुगपा
 पृष्ठ-जन्म ॥ कक्षि-जठर-चापार्ध-

आर्य समाज

1984 ARCHIVES

जवरखव॥मध्यम-दधु॥बलि-कंज॥ना
मि-त्यफ॥नितम-प्य॥मुक्क-कासि॥श
भ-मेय-लिंग॥गुल्फ-गोचा॥गात्र-वपु-
विग्रह-काय-देह-अंग-शरीर॥अस्थि-के
॥मांस-पलल-पिशित-तरल-आमिष-ला
॥रक्त-रुधिर-हि॥द्योरा-नासा-ह्रस॥ता
लु-धक॥ओष्ठ-सुतुसि॥मुक्क-मांस-सुख
ला॥कोड-मुल॥नख-लुसि॥करा-हृ
पं॥जिह्वा-रसना-मे॥शिशु-शावक-मच
॥युवा-त्यायल॥दन्त-रदना-वा॥शिर-
शौ॥जिह्वामूल-मेचोका॥हनु-वको॥य
द-अहि-चररा-तुति॥दक्षिणा-जव॥
वाम-खव॥आयत-दीर्घ-ताहा॥हृस्व-वि

किहा॥लघु-याउं॥गरु-म्यानु॥गुड-द्वार
रवांषा॥पिचरुड-या॥कुच-स्तन-उडपो
॥जल-आप-लंख॥पृथ्वी-भूमि॥आका
श॥अक्षि-दृष्टि-अक्षिणी-दृक्-मिखा॥भ
ग-योनि-योनि॥कुकुन्दर-मचारवांषा॥
हृदय-विज-मानस-मन-स्थान-हृत्-चेतस
विज॥अश्रु-खेति॥अंगुष्ठ-ह्यालोपचिं॥
तर्जनी-चला॥मध्यम-दधुला॥अनामि
का-अंगुला॥कनिष्ठा-सिका॥राक्षसला
खेदेव-यो॥असुर-दैत्य॥नर-मनु॥देवी
॥नारी-मिसा॥भार्या-जाया-दारा-कलत्र-
मिसा-कला॥स्वेद-चलति॥मल-खिति॥
मूत्र-चो॥विष्ठा-खि॥सिंहारा-हि॥अश्रु

याकनं॥श्लेष्म-रेवे॥दृषिका-पिच॥कर्ण
विद्-हृसपंघी॥मज्जा-रूपी॥मिद-दा॥वा
न-वमन-दुर्दि-हेगु॥श्वास-सास॥वायु-
फौ॥अग्नि-मि॥निःश्वास-रसुका॥पूतिग
न्ध-उर्गन्ध-नवेगु॥सुगन्ध-नस्वागु॥निद्रा
-ह्यो॥तन्द्रा-ज्वलंचनिगु॥स्वप्न-सनीगु॥
वरा-श॥शयन-यन्त्रगु॥मक्षिका-भुजिं॥
चौर-तस्कर-खुं॥तारा-नौ॥चन्द्र-चन्द्रमा॥
सूर्य॥मेघ-सुपा॥वृष्टि-वर्ष-वावेगु॥इन्द्रा
युध-लखसा॥स्तनित-गर्जित-नन्याईगु
॥तडित-सौदामिनी-विद्युत्-विजुलि॥व
ज्रपात-मलज्वीगु॥आसार-तच्चतवागु॥
ईगु॥शीकर-सिलिलिंवावेगु॥अंत्र-आ

तपुति॥यश॥गन्धर्व॥किन्नर॥भूताप्रे
ता॥पिशाच॥नाग-विशाधरायंत्र-जंच
॥मंत्र-पुलक॥लेखनी-कलम॥मसी-
मस॥वर्णा-अक्षर-आखा॥लिपि॥चारु-
सुन्दर॥आगत-बल॥नहिआगत-मव
ला॥आगच्छति-वै॥नहिआगच्छति-वैम
खु॥इमशु-ग्वो॥औषधी-वासारक्त-लो
हित-छाउं॥सित-अनदात-भुक्त-तुयु॥
हरित-वाउं॥पीत-गौर-ह्यासु॥नील-वचु
कक्ष-श्याम-हाकु॥धूम्र-कुं॥शिवल-चि
त्र-चाकिं॥विमान॥हरि-सिंह॥व्याघ्र-धुं
तरशु-चितवा॥ऋष-भलूक-भालु॥प
क्षि-जंग॥आकाशचर-आकाशेचलेजंग

पिं॥ जलचर-लखेचलेजीपिं॥ पृथ्वीचर-
भूमीचलेजीपिं॥ महिष-मे॥ मर्कट-वानर-
कीश-कपि-माक॥ विडाल-मार्जाल-भौ॥
वक-बोहा॥ मूषिक-छु॥ संमार्जनी-तुफि॥
शस्त्र-अस्त्र-चुपि॥ सूत्र-का॥ डमरू-दव-
दव॥ चक्र-यन्त्र॥ पाषाण-शिला-लोह-
॥ गिरि-शैल-पर्वत॥ मेष-फै॥ कपाट-खा-
पा॥ गवाक्ष-हर्म्य-ज्या॥ वर्षाभू-भेक-मण्ड-
क-बां॥ रथ॥ अजा-चलो॥ तुरग-अश्व-ह-
य-सल॥ गज-हस्ति-द्विप-करि-किसि॥
चषक-खला॥ तमाखु-वफां॥ अवदान-
पुण्य-वारं॥ इतिहास॥ स्वर-अआश-
वंजन-करवग॥ हल-वरी-बागआख॥

मयन-सी॥ द्वार-लुखा॥ गृह-वेश्म-गेह-स-
प्त-निकेतन-सदन-भवन-अगार-मन्दिर-
क्षेत्र॥ कपिल-पिंगल-सियुग॥ सिद्ध-चा॥
पुष्प-स्वां॥ धूप-धू॥ दीप-मत॥ नैवेश-नी-
वजि॥ पारावत-कपोत-वखु॥ चतक-कल-
विक-चखुंचा॥ माता-अम्मा-जननी-मां॥ वै-
मातृ-चिमां॥ भगिनी-तताकहे॥ भ्रातृ-दा-
जुकिजा॥ ज्येष्ठभ्राता-दाजु॥ कनिष्ठभ्राता-
किजा॥ ज्येष्ठभगिनी-तता॥ कनिष्ठभगिनी-
कहे॥ अनुज-किजा॥ सुषा-वधू-भौम-
चा॥ पिता-जनक-बौ॥ स्त्री-येपितृ-अवला-
-मिता॥ पितामह-आजु॥ पितामही-अ-
जि॥ मातुल-पाजु॥ मातुलानी-मातुली-म

त्यजु॥ भागिनेय-भिन्वा॥ पितृव-कका॥
श्वशुर-ससवौ॥ श्वश्रू-ससमा॥ आत्मज-
पुत्र-सुत-काय॥ उहिता-ह्याया॥ अपत्य-
संताना॥ पौत्र-द्वयो॥ पौत्री-स्त्रोयद्वयो॥ जा-
माता-जिन्वाभाजु॥ केकर-यालि॥ खराड-नु-
करा॥ कुब्र-धुरि॥ महा-तव्रधा॥ सूक्ष्म-चि-
किधा॥ वली-वल्वा॥ शुद्र-निर्वली-वलम-
उह्य॥ कुर्म-कच्छप-कापत्ये॥ मत्स्य-मीन-
न्या॥ वृश्चिक-विद्धे॥ कर्कट-कंगलि॥ मक-
र-हितिमंग॥ युवति-त्यासि॥ माला-मा-
॥ पतति-कुतुंबनी॥ खादति-भक्षति-
नै॥ चखाद-नल॥ गच्छति-वनी॥ नग-
च्छति-वनीमखु॥ निमिष-मिखापतिया

यगु॥ अनिमिष-मिखापतिमयायगु॥
दर्शन-स्वेगु॥ जृम्भरा-वाका॥ मूत्रत्या-
ग-फाराचन्यगु॥ मूत्रत्याग-पिसापयाय-
गु॥ कुरु-या॥ माकुरु-यायमत्ये॥ मागच्छ-
वन्मत्ये॥ अत्रतिष्ठ-थनंचां॥ उपस्थि-
॥ अबो-क्ते॥ वहिरू-वाह्ये-पिने॥ अन्तर-उ-
ने॥ काक-वायस-को॥ गृध्र-गिल्धाग-
रूड॥ आतापि-इमा॥ शुक-भतु॥ शारीक-
कयमिचा॥ चातक-तितित्याउ॥ कुलिश-
वज्रा॥ धराट-गांखदांग॥ पात्रा॥ भूषणा-
तिसा॥ कंकन-वलय-चुल्या॥ नोपुर-पा-
यो॥ रुरा-रुरा-तिसायाशब्द॥ कुराडल-
कुहू॥ मकुट-मत्त॥ शुद्रखशिक्का-धंग

ला॥ मेखला-जभी॥ अंगुलीयक-अंगु॥
 रूपक-रूपा॥ कार्पापरा-मोहापन-
 धवा॥ अस्ति-उ॥ नास्ति-मउ॥ कुत्र-गन
 ॥ शर्कर-सारवागुड-चाक॥ छुछुंदरी-ति
 हु॥ आखु-हु॥ विषा-सुधा-अमृत॥ रज्जु-
 खिपा॥ कपिल-पिशंग-सियू॥ गदभ-रा
 सभ-गडाहा॥ भृगाल-कोटु-फेरु-जम्बु
 क-धौ॥ धात्री-अम्बा॥ दाडिम-धाले॥ वि
 ल्व-व्या॥ हरीतकी-हल॥ श्रेष्ठ-उत्तम-वर
 प्रवर-आर्य-तवधा॥ तेज-जं॥ तेरश्मि-
 छवि-प्रभा-तेजपावादन-बाज-भायगु॥
 शंखधमन-शंखपीगु॥ कांक्ष-कजै॥ आ
 य-अयस्-नै॥ मूल-हा॥ शारवा-कचा॥ पत्र

हा॥ अंकर-नकचुलि॥ पद्म-पल्यस्वा॥ उ
 त्पल-उफेस्वा॥ नीलोत्पल-वचुउफेस्वा॥
 स्कन्द-सकि॥ केशर-स्वायासै॥ करिंका
 -स्वामू॥ मकरन्द-स्वायारसा॥ पचति-पा
 कयाई॥ त्वं-हा॥ भहं-जि॥ द्वाग-उगु॥ वृष
 दोहो॥ गौ-धेनु-सा॥ इत्र-कुसा॥ ध्वज-धौ
 ॥ पतोक-पता॥ वितान-इला॥ चामल-चा
 मो॥ नृत्य-पाखु॥ गीत-म्ये॥ नर्तन-प्यारु
 इयगु॥ गायन-मेहाल्पगु॥ दंपति-जम्प
 ति-निस्रतिपु॥ चंचु-त्वा॥ ध्वान-खिचा॥
 श्रुती-माखिचा॥ कुक्कुट-रवा॥ परिवार-
 जहान॥ स्थविर-थकालि-बुधापि॥ तरु
 शा-ल्यायसा॥ तरुणी-ल्यासी॥ वृद्धा-नकि॥

कुमार॥कुमारी॥कन्या॥कानीन-कन्याया
 मन्त्रा॥अराड-रैव॥सूप-अपूप-पूप-मधि॥
 हंस-है॥खदा-खाता॥शय्या-लासा॥चपे
 ट-पिंजर-संधुसा॥वस्त्र-वास-वस॥काशा
 -का॥मधुपिंगल-सियूगवा॥वधिर-रखा॥
 शिखा-चूडा-आगंस॥कवरी-केशवेश-स
 प॥अलका-कपाले-चंगुमसिनसं॥खो
 ड-खञ्ज-खू॥उपचार-घासा॥पायस-शी
 रजा॥तक्र-महि॥नवनीत-नौनियो॥द
 धि-धौ॥अन्न॥शाक-तर्कारि॥घृत-घ्यो॥
 तैल-चिकं॥काष्ठ-दारु-इभन-सिं॥भाज
 न-थल॥लवणा-चिसवा॥कड-पालुगु॥
 आम्र-पाउं॥कषाय-फाकु॥तिक्त-खायु

हरिद्रा-हलु॥लसुन-लभा॥आद्र-पा
 लु॥पलारड-प्याज॥जीरक-जी॥मरिच
 -मले॥पनस-फंसि॥रभा-कपरा॥चूत
 आंतांवूल-ग्वा॥पूग-ग्वा॥दक्षिणा॥दा
 ना॥सिन्दूर-सिह्ना॥माल्य-माला॥रस॥
 धातु॥सुवर्ण॥हिरण्य-लुं॥रूप्य-ब्रह्म॥
 ताम्र-सिजा॥शीति-ली॥वज्र॥हेरा॥मो
 शिक्य-मानिक॥पुष्पराग॥प्रवाल-मि
 पु॥नील॥मुक्ता-मेति॥चैत्य-चिभा॥ध
 र्मधातु॥देवालय-प्रासाद-देगा॥भद्र
 रक-शो-जुजु॥जंघा-त्वाना॥तारका-मि
 खायाये॥कदक्ष-वेकोमिखा॥मृजु-
 तप्यं॥वक्र-कुटिल-वेको॥नग-पर्वत

सागर-समुद्र-नदी-खु सि॥ तडाग-पुष्क
 रिरा॥ सर-पुखु॥ बापी-तुं॥ कूप-वंग॥ वृ
 क्ष-पादप-सिमा॥ मराडप-फल्यचा॥ प्रः
 राली-हिति॥ अश्वि-समुद्र॥ पद्माकर-
 पल्पस्वां पुखु॥ पुराडरीक-अम्भोज-पल्प
 स्वां॥ मालती-जाति-जीस्वां॥ चंपक-चं
 पास्वां॥ लता-गुखि॥ तालवृक्ष-तायव
 सि॥ प्रपात-भृगु-जो॥ निर्झर-पर्वतंका
 हावोगुलंख॥ शब्द-ध्वनि-नादरव-श
 र॥ यव-तछो॥ तुराड-सुतु॥ तराडल-
 जाकि॥ चिपित-वजि॥ धान्य-वा॥ ब्रीहि-
 बीभ॥ गोधूम-छो॥ मसूर-मुसु॥ चरा
 क-चाना॥ कुलराक-कल॥ श्वेतत

राडल-तुयजाकि॥ कृष्णतराडल-हाकु
 जाकि॥ कुष्माराड-भुयुफसि॥ मुद्ग-मू॥
 माष-माया॥ ओदन-जा॥ राजहंस॥ च
 कवाक-चौकाफंग॥ कोकिल-पिक-को
 किलफंग॥ रक्तप-जलोका-सुलुप्पा॥
 शम्बूक-संखुचा॥ महीलता-दलंबी
 चलति-चलेजी॥ नचलति-चलेजी
 मखु॥ गर्भवती-चाथेउल्लमिसा॥ बल
 वान्-बल्लास॥ उर्वल-बलंमउल्ल॥ वा
 मन-वाग॥ आशुक्षिप्र-द्रुत-तूरी-याक
 नं॥ विलम्ब-विलार॥ अलस-आलस्य-
 अलसी॥ स्पर्श-धीगु॥ मास्पर्श-धीम
 त्ये॥ सुखाद-साकगु॥ स्वादहीन-मराड

नतिष्ठ-चोन्ममत्ये॥ भांड-थल॥ अलक्ष
 रा॥ कुलक्षरा॥ सुलक्षरा॥ चन्दन-श्री
 खराडा॥ लेपन-इत्यग॥ तिलक-सिंह॥
 अंजन-अज॥ अलक्तक-अल॥ व्यक्त-
 प्रकट-प्रव्यक्त-हुतेज॥ अस्फुट-अव्य
 क्त-हुतेमजू॥ मूर्ख-वाल-अज्ञानी-ज्ञा
 नमडा॥ धीर-ज्ञानी॥ पक्ष-पपा॥ पुच्छ-हि
 प्यं॥ आनय-हिरौचते-ये॥ अनरोचते-
 मयो॥ तृणा-शाडूल-यासा॥ भय-भीति
 ग्यानापु॥ माभैः स्तायमत्ये॥ हास्य-हि
 ल्यगु॥ रोदन-खेगु॥ अट्टहास-महाहा
 स-तच्चतंहिल्यगु॥ स्मित-ईषदस्मितं-
 मुसुङ्गंहिल्यगु॥ उल्ल-कागु॥ शीत-शीत

ल-खाउ॥ ताप-तांवेगु॥ कोष्ण-मंदोष्ण-
 लुमुगु॥ तिग्म-तीक्ष्ण-खर-करा॥ मरी-
 चिका-भूमियातेज॥ वर्ष-सम्बत्सर-हा
 यन-दं॥ मास-ला॥ पक्ष-वाह्नि॥ दिन॥
 प्रभात-सुंथ॥ मध्याह्न-वाहि॥ सायं-सं
 ध्या॥ रजनी-निशि-क्षपा-रात्रि॥ प्रातर-
 सुथा॥ अर्द्धरात्रि-वाचा॥ अश्व-यौ॥ हस्त-
 क्षिगु॥ श्वस-कहो॥ परश्वः-कंस॥ इडा
 नी-सांप्रतं-आशुगुथास॥ तदा-शुगु
 वखते॥ यदा-गुगुवखते॥ कदा-हुव
 ले॥ सदा-सर्वदा-सदां॥ यत्-गुगु॥ तत्-
 शुगु॥ किं-हु॥ क-गन॥ दिहि-व्यु॥ मह्यं
 देहि-जितव्यू॥ तुषार-हिम-चापु॥ जड

अज्ञ-मूक-ज्यो-पाक-वक्ता-कनीस-श्रोत-
 न्यनीस-रतत-थुग-कार्य-ज्या-शिल्प-
 सीप-कृषि-बुज्या-स्वर्णकार-लुकर्मि-ता-
 म्बकार-तमो-लोहकार-कौ-नापित-नै-
 भिषक-चिकित्सक-वैद्य-आतुर-रोगी-लो-
 गो-ज्योतिष-देवज्ञ-ज्योति-राजा-जुजु-
 अमात्य-मंत्री-सैन्य-भट्ट-योधा-सिपा-
 हार-क्षक-जाता-रक्षायार्थ-सुहृत्-मि-
 त्र-अरि-द्विपरिपु-शत्रु-याच-ना-याच-
 न-कन्यगु-शासन-स्पन्ध-कन्ययायगु-
 ताडन-साक्षियायगु-पांचन-बुकागु-
 लाज-ताय-अशत-आरंभ-डुर्बा-डु-
 र्वाकुराड-डाफेस्वां-वन्धूक-वधूस्वां ॥

मन्दार-पात्पास्वां-कुवल-उफेस्वां-
 या-किचा-एकदा-द्वगुवरवते-एत-
 स्मिन्काले-थुगुवरवते-अभयन-पठ-
 न-वाचन-बोन्गु-धाररा-कयातय-
 गु-लिखन-चेगु-कथन-कन्यगु-
 भक्षरा-अदत-नयगु-इति-थुलि-
 वर्द्धकित-क्षक-सिकर्मि-पलगराड-
 वज्रकर्मि-रूपकार-मधिकर्मि-हंशि-
 का-शव-शशिका-अपस्मार-तील्बे-
 अतिसारा-विसृचिका-हेजा-विस्फोट-
 तम्बकौ-रंगाजीव-चित्रकर-छिपा-न-
 खचेद-लुसिधन्यगु-चूडाकर्म-आ-
 गंसखायगु-अन्नप्राशन-जंकुया

२०
यगु॥ विवाह उपनय-वाहायायगु॥
चिकित्सा-वासयायगु॥ मृत-सित॥ मृ
त्युनिधन-प्रलय-मरणा-नाश-सियगु
रोग-बाधि-गद-रोग॥ जन्म॥ स्नक-धु
वा॥ गराका-वेश्या॥ स्वकीय-थनगु॥
परकीय-कतपिंगु॥ परद्रव्य-मेवयाध
नास्व-आत्म-थन॥ पर-कत॥ आत्मी
य-थनगु॥ बुभुक्षित-जिघत्सित-पित्त
तातृषित-प्यासचाल॥ सर्जा-पति-
स्वामी-मालिकाधर्षण-चल्पगु॥ धा
वन-चांदनगु॥ सिंचन-हाहायायगु
॥ श्चेदन-भेदन-त्वाहायगु॥ मारणा-
त्पायगु॥ धर्षण-हतेयायगु॥ क्रोध-अ

२१
हंकार-कोप-तौ॥ अविद्या-अहंमम
योयगु॥ स्पर्धा-स्पर्धि॥ उत्थित्वा-देना॥
स्थित्वा-चन॥ स्नात्वा-स्नानयाना॥
भुक्त्वा-नया॥ पीत्वा-त्वना॥ गत्वा-वन
नत्वा-प्रणाम्य-नमस्कारयाना॥ परा
वृत्य-लिहांवया॥ पठित्वा-वोना॥ लि
खित्वा-चोया॥ ग्राह्य-गृहीत्वा-कथा॥
दत्वा-निया॥ कर्पास-कपोया॥ नग्नदि
गम्बर-नांगा॥ उष्ट्र-उत्था॥ उलूक-भुत
फंगो॥ श्पेन-सतांचा॥ पुत्रिका-पुतलि
पुनर-भूयः पुनः-हानं॥ सततं-निर
न्तर-सदा॥ किंचित्-अल्प-किंचिन्मा
त्र-भतिचा॥ वृद्ध-अधिक-अधिकतर

२२
आपा॥ कदाचित्-जातु-ग्वलसंहे॥ अर्द्ध-
-बद्धि॥ लंघन-पुलावनीगु॥ आक्रान्त
कृत्यगु॥ क्रम-परिक्रम-कथंथो॥ अ-
तिक्रम-अतिक्रान्त-पुल्यगु॥ सार्द्ध-स-
मं-सह-नापो॥ अलिक-निकट-समीप-
दूर-तापो॥ आह्वान-सलत्पगु॥ प्राप्ति-
ति-दौन-प्राप्ति-दौमुख॥ कथं-गथ्या॥
यथा-गुगुप्रकारं॥ तथा-थुगुप्रकारं॥
अभाव-मदैगु॥ विनाश-कीगु॥ आप्त-
प्राप्त-लक्ष-दत्ता॥ उल्लभ-दयक्यथा॥
का॥ सुलभ-दयक्यअपु॥ दिष्ट-भागधे-
य-भाग्याहेतु-कारणा॥ बीज-पुसा॥
निदान-आदिकारणा॥ क्षेत्र-जगा॥

२३
भयानक-भयंकर-गणनापु॥ शान्ता॥
स्मशाना॥ पीठा॥ कंकाल-कंला॥ निभ-
संनिभ-सदृश-उथ्यो॥ यादृश-गथ्यच्च-
तादृश-एतादृश-थथ्यच्चो॥ त्वादृश-ह-
थ्यंचो॥ मादृश-जिथ्यंचो॥ क्रीडा-हित्य-
गु॥ यतजू॥ अक्षा-पाशापाश-खिपा॥
भीम-गणनागु॥ दिशा॥ पूर्वा॥ दक्षिणा॥
पश्चिमा॥ उत्तरा॥ विदिशा॥ कोणा॥ कुं॥
अग्नि॥ नैऋत्या॥ वायुव्या॥ ईशाना॥ अ-
ग्र-समुख-स्रोतो॥ पृष्ठ-चरम-लिउने॥
पश्चात्-लिपो॥ आदि-होपा॥ एतद्-हो-
नो॥ इतस्ततः॥ उर्यं॥ थुर्यं॥ भ्रमरा-हि-
ल्यगु॥ शंकासंदेह-संशय-संखा॥ तत्

ला॥ वांछा-इच्छा॥ जय॥ हरित-वृताम
 यूर-होखा॥ पलायित-विशुवन॥ केव
 ल-हृगुजक॥ स्फुट-प्रस्फुट-हुतेज॥
 गच्छामि-वने॥ नगच्छामि-वनमखु॥
 कुसुम-स्वा॥ उदक-वारि-पानीय-लंख
 ॥ पाणि-लाहा॥ गुणवर्ति-हिनु॥ व्रज-
 डो॥ माव्रज-वनमत्ये॥ गारु-दृष्ट-कातु
 ॥ अगाध-गंभार-थाहागामुडा॥ सर्व-सं
 पूर्ण॥ अखराड-जम्मा॥ चतुष्पथ-पका
 ल॥ चतुःखराड-पकतुकरा॥ त्रिखराड
 -स्वकुतुकरा॥ आख्य-अभिधान-ना
 मधेय-ना॥ चंक्रमरा-न्यास्पवनगु
 ॥ पाउका-उपानह-लका॥ भस्त्रा-भौ

अग्निकरा-स्फुलिङ्ग-मिफ्रति॥ शिखा-अ
 ग्निज्वाला-मिज्वाला॥ गहन-वन-कानन-अ
 रण्य-विपिन-अरवी-वन॥ आराम-वगेचा॥
 अन्न-पूर-रानीयाहे॥ रसातल-पाताल-पा
 ताल॥ शठ-धूर्त-वंचक-लुच्चा॥ वाचाल-ख
 सुवा॥ उन्मत्त-वै॥ उन्मत्तिनी-उन्मी॥ अस्वाधाय
 वांलाकमवोहा॥ मत्सरी-जिवाइस्मा-नौ-तरारि
 नाव-उंगा॥ धीवर-कैवर्त-काहारा-जाल॥ व
 डिश-वल्सि॥ वागुरिका-वागुरा-चो॥ सरवा
 सहाय-सरि-पासा॥ कल्पारामित्र॥ यः-गुण
 स-पुग॥ असौ-था॥ मदन्त-तवधंसा॥ भवा
 न्-हि॥ आयुष्मान्-आयुआपाडहा॥ आयु॥
 उवाच-जगाद-अवाचोत्-आह-वाला-विल

लाप-विलापयात॥मारोदसि-खेमत्ये॥अ
 वधीरय-धीर्जया॥शान्ति-मर्ष-सहयायगु
 अशान्ति-अमर्ष-सहमयायगु॥सहन-
 सहयायगु॥स्पृहा-काम-अभिलाष-इच्छा॥
 लालस-तत्परा॥शुभ-भिङ्गु॥आलिंगन-य
 सपीगु॥चुम्बन-चुपानयगु॥अपराजित
 -मेवंकुवामफुल्ल॥सुगत-बुद्धजिन-तायी
 मगवान्॥विंड-फुति॥शास्त्र-विद्या-विद्या
 कवि-परिडत्त-विद्वान्मेधावी-सुधी-को
 विद-बुध-ज्ञ-प्राज्ञ-परिडत्त॥मया-जि॥एवं
 -शुगुप्रकारं॥श्रुतं-न्यनाड॥कर्णधारना
 विक-माफि॥बीजपूर-तवसि॥दमन-सा
 हेयायगु॥राष्ट्र-राज्य-राज्य॥क्लेश-पाप-

दुःख॥रागा॥द्वेष-शत्रुभाव॥मोहा॥माया-
 दम्भ-हल॥असूया-गुणायातदोषतय
 गापैशुन्य-चुक्रि॥पारुष्य-करावचन॥अ
 दत्तादान-मवीकंकायगु॥संभिन्नप्रला
 प-जाफायगु॥प्रारातिपात-प्राणिहिंसा
 यायगु॥काममिथ्या-परस्त्रीगमन॥मृषा
 वाद-चुहावचन॥मिथ्यादृष्टि-नास्तिका॥
 व्यापाद-परदोहचिन्ता॥आशा॥लोलुभ-
 लोभी॥लुब्धक-व्याधा॥लज्जा-ही-लैज्या॥
 कृपा-करुणा-दया॥अनुकंपा-करुणा
 ॥पुरुसर-ह्योनेवन्यगु॥विकृत-सनीगु॥
 भुग्न-वेको॥मैत्री-मित्रभाव॥मुदिता-हर्ष
 उपेक्षा-त्याग॥स्वभाव-सर्ग-स्वभाव॥वे

पथ-कम्पा॥ विस्मय-अद्भुत-आश्चर्य-आ-
 श्रय्य॥ भ्रुकंस-मिखाफुसिसंकागु॥ एव
 राज-राजपुत्र॥ भर्तृदारिका-राजकन्या॥
 शील॥ विपरीत-उलता॥ त्याग॥ मरिणापा
 पा॥ धर्म॥ पुण्य॥ अय-पाप॥ अमृत्य-अन-
 र्य-मोल्मडगु॥ ओद्य-समुदाय-राशि-स
 मूहा॥ पंक्ति-ज्यो॥ चित्रविचित्र-रंगिचंगि
 ॥ काल-वेला-समय-वरवत्॥ यत्किंचित्
 दुर्भतिचा॥ देवेन्द्र-शक्र-मयवान्-इन्द्र-पु
 ररुत-वासव-सुरपति-शचीपति-इन्द्र॥
 शची-इन्द्रायणी॥ मृग-चला॥ वृक-गुखि
 चा॥ वराह-भूकर-कोल-फा॥ पशु-रास॥
 कुशीद-व्याज॥ वृत्ति-लजगा॥ मार्ग-पथ

अश्व-लं॥ सममार्ग-भिङ्गुलं॥ विषममार्ग-
 मभिङ्गुलं॥ सेतु-ताफु॥ सेतुवन्ध-ताफुहु
 यगु॥ मोक्ष-निर्वाण-मुक्ति॥ जन्म-जनन-
 जाति-जन्मज्वीगु॥ ब्रह्म॥ क्षत्रिावैश्य॥ शू-
 द्राशाक्यवंश॥ कज्राचार्य॥ पिण्डपात्रा॥ अ-
 र्घ्य॥ पाया॥ अचमन॥ आसन॥ कज्रपर्य
 ङ्क-कज्रासन॥ गुप्त-गुप्ताप्रकाश-उत्पगु
 आच्छादन-तोषीगु॥ आकार-स्वरूप-आ-
 कारा॥ आकृति-स्वरूप॥ प्रत्यक्ष-मिखांख
 न्यडगु॥ परोक्ष-मिखांखन्यमडगु॥ इहज-
 थुगुजन्म॥ परत्र-लिपायागुजन्म॥ यम-
 धर्मराज-कृतान्त-यमराट्-काल-जमरा
 जा॥ कुराप-मृतक-सीद्दा॥ भोज्य-नयगु॥

साधन ॥ सामग्री ॥ इदं-युग ॥ काय-शरीर
 वाक्-वचना ॥ चित्त-मन ॥ प्रतिबिम्ब-हृत्
 कां ॥ सम-वरोवरा ॥ कर-क-कं ॥ शुद्ध-निर्म
 ल-शुद्धा ॥ कलुष-किल्बिष-अद्यउ-कृतउ
 रित-पाप ॥ धर्म-श्रेयस-वृष-सुकृत-ध
 र्म ॥ प्रीति-प्रिय-योग ॥ अप्रीति-अप्रिय-
 मयोग ॥ आनन्द-सुख-कल्याण-मंगलशि
 व-भद्र-भय-कुशल-क्षेम-आनन्द ॥ भक्ति
 ॥ आवना-ध्यान-समाधि ॥ अपवर्ग-भोक्ष ॥
 अपाय-निलय-उर्गति-नरक ॥ लाभ-न
 वासत्कार-मान्य-मान्या ॥ यश-कीर्ति-जस
 वन्दना-नमस्कारयायगु ॥ पूजा ॥ गुरा ॥
 जीवित-म्बायगु ॥ सर्वसत्त्व-सकलप्राणि

उद्भव-उत्पत्ति-उत्पत्तिजीगु ॥ सिद्धिवा
 क्य ॥ सिद्धवाक्य-सिद्धवचना ॥ सत्य-तथ्य
 -सत्य ॥ वितथ-अनृत-असत्या ॥ पश्य-
 स्व ॥ सां-जित ॥ दिव्यदृष्टि-दिव्यचक्षु ॥ बा
 लुका-फि ॥ सिकता-फिगचा ॥ वेणु-पं ॥
 शर-ति ॥ नड-हृयपं ॥ एकहस्त-कुक्षि ॥
 वितस्ति-कलाक्षि ॥ अंजलि-कृताञ्जलि
 लाहज्वरेयायगु ॥ पूर्वनिवासानुस्मृति-
 जातिस्मर-पूर्वजन्मयारवंलुमनीगु ॥ सं
 सार-भव-संसारसमुत्तरण-तरेयाय
 गु ॥ अलंकृत-छायपातल ॥ जानामिस्थ
 नजानामि-मस्थ ॥ किंकरोमि-दुयायो ॥ क
 गच्छामि-गनवने ॥ विकार-स्थनीगु ॥ अ

पकार-अपराध-अपराध॥सिद्ध-समाप्त
 सिद्धजुल॥असिद्ध-सिद्धमजुल॥आरब्ध
 त-उक्त-प्रलपित-भरित-धाल॥दत्तवा
 न-विला॥गतवान-वन॥कारितवान-या
 ता॥मृड-कोमल-नायु॥कर्कश-खर्व-क्वाचु
 मृडतैल-नायुचिकं॥तिलतैल-हामोचि
 कं॥कुसुमतैल-कुसुंचिकं॥कस्तूर-मृ
 गनाभि-मृगमद-कस्तूरा॥कंकोला॥श्री
 खरडा॥कर्पूर-कपू॥सिहू॥अगुरु॥क
 ष्मागुरु-हाकुअगुरु॥रक्तचन्दना॥शी
 ल॥मुस्ता-कसु॥मुद्गल-मुगा॥कीलकी
 ॥कीलन-खायगु॥आकोटन-तायगु
 छोटिका-अंगुलिस्फोटन-पतिंचान्या

यकागु॥व्यर्थ-अनर्थ-व्यर्थ॥अर्थ-प्र
 योजन॥आरोहन-गयगु॥शोधन-सो
 ह्यायगु॥शोचन-शोककायगु॥द्रव्य
 धन॥विलाप॥द्रव-नारंगु॥परिदेवन
 विलाप॥विरोध-ल्वापु॥सुप्रलाप-सुव
 चन-भिगुवचन॥संकेत-इमरा॥शोष
 रा-सुकयजीगु॥अग्निदाह-मिंदाहजी
 गु॥अभिषेक॥दीक्षा-देखा॥मराडल-म
 राड॥गोमय-सास्त्रि॥गोमूत्र-साचो॥भे
 द-फरका॥स्तोत्र-तुत॥कल्पना-चिन्ता
 ना-चिन्ता॥कर्तरी-कैंचि॥कुठार-परशु-
 पा॥संतोषी-संतोषहा॥असंतोषी-संतो
 षमजूस॥दरिद्र-निर्धन-धनमडस॥

आद्य-महाधन-धनाद्य-तत्रमिला॥विध
 नानाविध-नानाप्रकार-अनेकरूपकारा॥
 नाना-अनेश्वर॥विना-तोता॥इदं-थुग
 काच-खा॥शपथ-पापयकगु॥सत्या
 प्रश्न-पृच्छा-नन्यगु॥प्रतिवाक्य-उत्तरा
 वियगु॥ध्रुव-शाश्वत-नित्य॥अध्रुव-अ
 नित्य-अनित्य॥अनग-ल्यूत्यूवैगु॥अ
 धिपति-मालीक॥सत्त्व-प्राणी-प्राणी॥
 असक-हि॥पुरुषा॥आराधन-आराध
 नयायगु॥उच्चारणा-उच्चारणायायगु॥
 निश्चारयत्-चलेयाता॥आराधयत्-आ
 राधनायात॥उमति-उश्चिन्न-कुमति-म
 भिगुमति॥उर्वुद्धि-कुवुद्धि-मभिगुचिन्न

॥सुमति-भिगुमति॥सुदृति-सुकर्म-
 भिगुकर्म॥कुकर्म-मभिगुकर्म॥कद
 न्न-कुअन्न-मभिगुअन्न॥अश्वत्थ-पि
 प्लव-बोधिद्रुम-बोधिदृक्ष-बंगलसिमा
 प्लक्ष-पिलासिमा॥वर-वर्मा॥कट-मा
 ला॥युद्ध-संग्राम-रणा-लघाश॥धनुः-
 धनुक॥वारा-वाना॥मोदक-लड्डा॥य
 वागु-जाति॥वर्तुल-चाकलागु॥मधु-
 इक्षु-कसि॥असुर-दैत्य-दैतेय-दनु
 ज-इन्द्रारि-दानव-शुक्रशिष्य-दितिसु
 त-पूर्वदेव-सुरदिष-दैत्या॥सर्वज्ञ-सुग
 न्-कुद्ध-धर्मराज-तथागत-समन्तभद्र
 भगवान्-मारजित-लोकजित-जिन-ष

उभिस्तदशवल अद्वयवादी विनाय
 क मुनीन्द्र श्रीघन शास्त्रामुनि भग
 वान् शाक्यमुनि शाक्यसिंह सर्वार्थ
 सिद्ध शौद्धोदनि गौतम अर्कवन्धु मा
 यादेवीसुत शाक्यमुनि ब्रह्मा आत्म
 भू सुरज्येष्ठ परमेश्वी पितामह हिर
 ण्यगर्भ लोकेश स्वयंभू चतुरानन
 धाता अद्भ्योनि दुहिरा विरिञ्चि कम
 लासन स्वश प्रजापति वेधा विधाता
 विश्वसृड विधि ब्रह्मा विष्णु नाराय
 ण कृष्ण वैकरा विश्वरश्मिना दामोदर
 हृषीकेश केशव माधव स्वभूदैत्यारि
 पुराणशेकाक्ष गोविन्द गरुडध्वज पीता

म्वर अच्युत शार्ङ्ग विश्वक्सेन जनार्द
 न उपेन्द्र इन्द्रावरज चक्रपाणि चतु
 र्भुज पद्मनाभ मधुरिपु वासुदेव त्रि
 विक्रम देवकीनन्दन सौरि श्रीपति पु
 रूपोत्तम वनमाली बलिध्वंसी कंसारा
 ति अशोकज विश्वंभर कैटभजित्
 विधु श्रीवत्सलांछन पुराणपुरुष य
 त्पुरुष नरकान्तक जलशायी विश्व
 रूप मुकुन्द मुरमर्दन नारायण वा
 सुदेव आनकड्डुभि वसुदेवावल
 भद्र प्रलम्बध्व वलदेव अच्युताग्रज
 रेवतीरमण राम कामपाल हलाय
 ध नीलाम्बर रोहिणाय तालांक मुश

ली-हली-संकर्षणा-सीरपाशिकालि
 न्दीभेदन-वल-वलमद्रामदनमम
 थमार-प्रयुम्न-मीनकेतन-कन्दर्प-द
 र्पक-अनङ्ग-काम-पंचशर-स्मर-स
 म्वरारि-मनसिज-कुसुमेषु-अनन्य
 ज-पुष्पधन्वा-रतिपति-मकरध्वज-आ
 त्मभू-ब्रह्मसू-ऋष्यकेतु-कामदेवा-अ
 निरुद्ध-उषापति-अनिरुद्धालक्ष्मीप
 आलया-पद्मा-कमला-श्रीहरिप्रिया-
 इन्दिरा-लोकमाता-मा-क्षीरोदतनया-
 रमा-लक्ष्मीदेवता-कांचन-लुं-कि
 मिदं-ध्वज-शृणु-न्या-वार्ता-शृणु-खं
 न्य-मद-मत्-मान-गुमाना-दर्प-स्य

शिव-विगत-मदैगु-अस्माकं-जिमि
 तव-कुं-मम-जि-आसीत्-वभूव-अ
 भूत्-जुल-भूरोति-न्यनी-नभूरो
 ति-न्यनीमखु-हितंवाक्यं-हितगुरुवं
 प्रकुप्यन्ति-तंमे-वारयन्ति-गनावी-
 इदंकिंप्रयोजनं-ध्वजुयात-पति-स्वा
 मी-मालीक-अन्वेषणा-गवेषणामा
 र्गणा-माल्यगु-निर्गत-निश्चान्त-पि
 हांवना-प्रविशति-विशति-उहांवनी-
 प्रविवेश-उहांवना-क्रीडार्थं-क्षित्या
 नितिं-अनुभाव-प्रभाव-प्रभावोप
 राक्रम-वीर्य-ऋद्धि-पराक्रम-वार्ता-न
 करोति-खं-हार्-मखु-सूची-मुलु-ग्र

श्वन-गविचियगु॥ एकसूत्रे-रूपका
 स॥ हिलमोचिका-घाते॥ तुंविका-लया
 ॥ नारिकेल-नैका॥ कर्कश-तुमि॥ घघ
 -घरि॥ दारुणा-भयानक॥ शैव-उग्र-क
 रा॥ शिविका-मेना॥ यान-रथा॥ अशि
 प-तया॥ आवरणा-प्रावरणा-घिरेया
 यगु॥ आरुख-गया॥ नदीप्रवाह-खु
 सिझाईगु॥ भिदर-स्फुरन-तज्जोईगु
 ॥ अथ-थनंलि॥ खलु-निश्चया॥ अन्य
 अन्यतर-इतर-मेगु॥ प्रदक्षिणीकृत्य
 -जवंचाउला॥ त्रिप्रदक्षिणीकृत्य-ख
 चाउला॥ जानुभां-पुलिनिलोला॥ भू
 तलेष्टवा-भूमीचया॥ उद्ध-हनुतरासं

गं-थगोन्या॥ आदेशः आता-आता
 ॥ शिक्षा॥ शासन-स्थनकन्यायगु॥
 जन्म-उत्पत्ति॥ जरा-बुढा॥ व्याधिरो
 गा-मृत्यु-निधन-सीगु॥ निश्चयवैहि
 -निश्चय॥ तु-पुनः-च-हानं॥ अथवा-
 वा-अथवा॥ प्रतीहार-द्वारपाल-धाका
 पाल्या॥ दूत-दूत॥ दास-ध्या॥ दासी-आ
 ति॥ शश-खर-खराचा॥ कर्मकर-ज्या
 यार्शिपि॥ भृत्या-चाकर॥ उत्तम-तवध
 मध्यम-माफावाल्॥ अधम-कम॥ शुभ-
 -भिगु॥ अशुभ-मभिगु॥ उपस्थित-
 ह्योन्यचन॥ आजगाम-आयात-थं
 कवल॥ उपसंक्रान्त-ह्योन्यथंकव

ल॥ उपसंक्रम्य-स्योन्यथं कवया॥ पादौ
 वन्दित्वा-तुतिनिपाभोपुया॥ इदं वच
 नमब्रवीत्-शुलिवं विंति यात॥ विषा
 णा-शृंग-नकु॥ करारुकाश-तगोविहि
 ॥ राजवृक्ष॥ विडङ्ग-विर्मि॥ लवङ्ग-
 लव॥ लव-दालचिनी॥ लवकपत्र-ते
 जपात्॥ सुकम्पाल-सुकमेल॥ लाक्षा
 -लाक्षा॥ पेलव-विरल-सालु॥ यनसा
 न्द्र-रघातु॥ इत्याह-शुलिधाल॥ तय
 था-ध्वगप्यधासा॥ स्थायथेदं-ध्वग
 प्यजीधासा॥ तथासु-ध्वप्यहेजीसा
 ॥ रक-द्वगु॥ दश-फिगु॥ शत-सहि
 ॥ सहस्र-दोहि॥ अयुत-फिदो॥ नियु

त-अयुतसहिथास॥ लक्ष-लारव॥
 कोटि-कर्बल॥ रजपांशुरेणु-धुली
 धू॥ अवाकिरन्-हृत्ना॥ आपरा-पस
 ॥ क्रय-न्यायगु॥ विक्रय-मीगु॥ प्र
 सारित-वोयातल॥ दंशी-कुसि-सि
 आदि॥ दशति-गार्श॥ नमामि-नौमि
 नमे-प्रणामामि-नमः-नमस्कार॥ न
 मस्ते-रूपित-नमस्कार॥ नमोनमः-
 नमस्कार॥ लवक-चर्म-क्षंगु॥ चर्म
 शिउत्पादिते-क्षंगुपीकवले॥ कि
 मि-की॥ नवीन-नूतन-नव-अभिनव
 -हृगु॥ पुराण-पुरातन-चिरंतन-पु
 लांगु॥ चिरं-ताकालं॥ किंचित्-मनाक

ईषद्-भतीचा॥तूही-तूहीका-मोन
 -न्वमवायगु॥सश-आथथ्यं॥तूही
 भाव-मोनभाव-न्वमवायगु॥शूल-
 सुरा॥त्रिशूल॥असि-खड्ग-खड्ग॥
 पिप्पली-पिपी॥शुराधि-सु॥कान्तार-
 उर्गम-उर्गावन॥मधुयष्टिका-इष्ट
 मी॥कोश-के॥अच्छ-निर्मल-स्वच्छ-
 अनाविल-निर्मल॥आविल-बुलुगु
 ॥जय-सय-जय॥संगम-समागम-
 नापलाईगु॥अचिरं-याकनं॥शीरो-
 जीरो-सिकर्मि॥अपक्व-पाकमजु॥
 पक्व-पाकजुगु॥नमसु-महो॥आ-
 सत-हो॥वन्धन-कुन्यगु॥वन्धनागा

र-कारागार-फेल्खाना॥सूतिका-म
 चावृक्षमिसा॥सूतिकागृह-मचावृ
 कोथा॥दोहदवती-गुर्विणी-चाये
 उष्टमिसा॥पीन-कातु॥शिथिल-का
 सु॥सौभाग्य-भाग्यमानी-भाग्यमानी
 ॥उर्भाग्य-मन्दभाग्य-अभागी॥धिकर
 -धिकारा॥अन्धकार-धान्त-तम-खि
 उ॥उज्ज्वल-प्रकाश॥निधि-आकर-
 खानि॥भरडागार-भंदारा॥नश्यति-
 फी॥उच्च-चजागु॥निम्न-कथागु॥
 नम्र-नायगु॥उन्नत-चेजागु॥तुला
 -तालाजु॥मिथुन-युग्म-युगल-नि
 गु॥कुंभ-घट-घ॥सैष-धहेखा॥सः

असौ-थुल॥रघ-श्व॥कुंभकार-कुल॥
 अभिमुख-थवपारखेसकग॥संवा
 धन-सलतग॥पराङ्मुख-लिफस्वे
 ग॥उर्ध्वमुख-चेस्वेग॥खमुख-आका
 शेस्वेग॥खग-पंक्ति॥आसक्त-व्यग्र-
 उकेहेलगेज्जीग॥गर्भवास-घाथेच
 न्यग॥शिशवे-वाल्ये-मचावले॥तारु
 रोप-यौवने-त्यायस्रवले॥वार्द्धके-
 वृषावले॥महदुःख-तचोगुडःख॥
 महत्सुख-तचोगुसुखा॥पलित-वृष
 यालक्षणा॥वक्रगति-तिर्य्यगति-
 वेकोगगति॥प्राचीन-पुलांग॥भि
 द्वि-वंसि॥कुटिम-सियातयागुभूमि

कोष्ठ-कोष्ठागार-कोथा॥कोष-भंदार
 पाक-वृग॥अपाक-मवृग॥अधोमु
 ख-कछुनाचन्यग॥मीलन-मिलेज्जी
 ग॥बोधन-कुफेज्जीग॥कुद्धति-कुफे
 ज्जी॥नकुद्धति-कुफेज्जीमखु॥भृंगा
 र-ऊरि॥आलु-लुता॥स्थाली-कसौ
 रि॥धुर-भाराएकधुर-छगुभारापो
 त-यानपात्र-उंगा॥नपुंसक-लीव-
 नपुंसका॥द्वंद्व-निग॥स्फुरेत-तज्या
 शमञ्जरि-ब्रावुनी॥आदिताल-ताल
 ॥फूर्फूर-खालेमले॥मृदंगा॥वीराणा
 वेरा॥वंश-वासुरि॥रुक्ता-धा॥पट
 ह-नगरा॥भेरी-उडुभि॥तूर्य-धंगा॥

प्रचोदित-चोयकलाचोदन-संचोद
 न-चयकगुणददाति-वी॥ गृह्णाति-
 गृह्णाति-कारि॥ तोरणा-तोलं॥ स्नेह-
 यो॥ छेदन-पौ॥ भस्म-नौ॥ विहरति
 स्म-विस्तारयाता॥ पुञ्ज-दौ॥ कूट-शि
 खर-पर्वतचका॥ काहल-काहा॥ सं
 ताप-तापजीगु॥ मनु-शोक॥ आतं
 क-रोगसंताप॥ पश्चात्ताप-विप्रती
 सार-अनुताप-पसंताचायगु॥ उ
 न्माद-चिन्तविभ्रम-वैज्यगु॥ विश्वा
 स-विश्रम्भ-विश्वास॥ आग-अपरा
 धा-स्नेह-माया॥ मनोरथ-मनसुवा॥
 अभिलाष-इच्छा॥ आस-विनास-वेग

प्रतिमा-पौमा-आदि॥ क्षालन-प्रक्षा
 लन-सिल्पगु॥ अशन-नयगु॥ वश
 न-पुन्यगु॥ विरूप-कुरूप-वांमला
 हा॥ सुरूप-वांलाहा॥ अलं-वर्था॥ अ
 खिल-कृत्स्न-संपूर्ण॥ यद्वत्-गुगु
 ष्या॥ तद्वत्-शुगुष्या॥ कः-इव-कुष्यं॥
 पिकश्च-कोकिलफंगुष्या॥ काकव
 त्-कोष्या॥ यावत्-गुवलेतका॥ तावत्
 -शुवलेतका॥ चण्ड-अत्यन्तकोपन-
 सापकृकिहा॥ स्वस्वभर्ता-थवश्स्वामि
 सोपि-ध्वनो॥ नित्या॥ अभ्यास-अभ्या
 सयायगु॥ मृद-मृत्तिका-चा॥ मृत्सा-
 भिरुचा॥ क्षारमृत्तिका-सौलागुचा॥

पंक-जा॥ शार-सकार-सा॥ निमग्न-उ
 नीग॥ पिंगल-मृत्तिका-सियु-चा॥ पी
 नस-विनास॥ अर्श-अलकै॥ सिंधु-
 सागर॥ सैंध-सिंधि॥ पूय-प्रवाह-या
 लेहि-पिहां-वैग॥ पटल-अध्याय-अध्या
 ॥ व्यतिरेक-पुलीग॥ संभोगा-तत्परा॥
 शक्ते-मि-फु॥ शक्यते-फै॥ नशक्यते-
 फै॥ मरु॥ तर्क-वितर्क-ताक्यायग॥
 संकल्प॥ विकल्प॥ भोग॥ क्वचित्-ग
 नंगन॥ स्थावरा-जंगमा॥ स्थला-वि
 जहार-विस्तारयात॥ नारक-नरक-
 त्रिथैक-पशुपंक्षि॥ वस्तु-अन्तरा
 य-विद्वा॥ शृंखला-सिख॥ स्फोट-

तज्याईग॥ आवेश-उवीग॥ प्रवेश-
 प्रवेशजीग॥ श्रीप्रज्ञोपाययोः शरणां
 गच्छामि-श्रीप्रज्ञोपाययाशररोवने
 ॥ कुत्रगच्छामि-गनवन्यत्यना॥ ग्रामं
 गच्छामि-गामेवने॥ त्वं इह किं कृत्वा
 तिष्ठसि-रुथनकुयानाचना॥ स्वात्मा
 तिष्ठामि-स्नानयानाचना॥ हे कमल
 लोचने-हे पल्लव-स्वांघ्यं वलाशचिगुमि
 खाजुयाच्चगुस्त्री॥ त्वत्तः-रुंकां॥ पा
 नीयं पातुमिच्छामि-ललन्यगुइच्छा
 जुला॥ तवपिताकुत्रगतः-रुंवौग
 नवन॥ शंखसुन्दरस्यगृहेगतः-शं
 खसुन्दरयाहेवना॥ तत्र किं कार्यम

स्ति-अनहुज्याडा। कार्यंतुकिमपिना
 स्ति-ज्याजाहुंमडा। तथापि-अथ्यनं
 सहायत्वात्-पासाजूयानिति। प्रति
 दिनं-हिंहिं। एकवारं-छको। द्वि-नि
 गु। निखन-गासुगु। संभन-जम्भन
 -संभनज्वीगु। भूकंप-भुखाचवैगु
 चतुषथ-शृंगाटक-पकालौ। मयू
 र्पिछ-सेखापा। वलि-वौ। मार्ज
 न-अपमार्जन-सिल्यगु। कोलाहल
 -कलरशद। उरंगउमि-लंखयात
 रंग। कल्लोल-तचोगुतरंगा। कण्ड
 चाखीगु। पिपीलिका-सपानि। लो
 ल-विलोल-चंचल। विलोलतर-सा

पचंचल। दृष्टिपात-मिखावेगु। दग्ध-को
 गु। मय-सुरा-बारूरा-मय। वेशन-परि
 वेशन-हिन्यगु। विकसन-फुल्लप्रफुल्ल
 विवद-हैगु। पूर्ण-जायकडगु। पूर्णपा
 त्र-जायकडगुपात्र। दंष्ट्राकराल-बांकू
 हिनाभयंकरा। समधार-सहा। कल्लाकि
 मर्थ-हुयानिति। सभा-समिति-सभा। सा
 धुश॥ धन्य२॥ दराड-लगुड-तुतां॥ अंकश॥
 कशा-कोर्दा॥ अश्वारोह-सलगयगु। क्षरा
 -छगुक्षराभर। एकक्षरा-द्वगुक्षरा। प
 ल-पला॥ विपल-विपला॥ कला॥ अंश॥
 नर्ग-गरा॥ क्षत्रिवर्ग-क्षत्रियागरा। पध
 त-सभा॥ निश्चल-चलेमजूगु। नसंश

य-संखामडाकीइशी-गथचंगु॥ निरोध-
 निवारणा-गन्धगु॥ औषध-भैषज्य-वास॥
 शकट-गारा॥ भार-कु॥ भारवाहक-कुकु
 बीह्म॥ कटकट-वाकिरिकिरिहोगु॥ वल्क
 ल-त्वच-सिखेला॥ तप्त-पूगु॥ मराड-सा
 रा॥ शात्मली-सिमल्सिमा॥ प्रमेह-भग
 न्दर-रोगविशेषा॥ कुष्ठ-कोट्टिारखदिरख
 यो॥ भृंगराज-भित्ता॥ तंगराज-तंला॥ ले
 पन-इत्यगु॥ पिष्टा-तिना॥ निघृष-चूला
 ॥ बशीकररा-वशेतयगु॥ नागकेशर-
 रूपकेशरा॥ गुग्गुलु-गुंगु॥ अर्जन-मुन्यगु
 रक्षरा-विचारयायगु॥ विनाश-फीगु॥
 अनन-अन्नमडगु॥ अवैहिजानीहि-

सीकि॥ धनशक्तमति-धनजकदयकागुम
 ना॥ अवसर॥ नावसर-अवसरमड॥ विमु
 क्तै-मुक्तिवन्धन॥ नश्यतु-नाशजीमा॥ सु
 खीभव-सुखजीमा॥ लक्ष्मीस्थिरोभव-ल
 क्ष्मीस्थिरजीमा॥ धनुरा॥ विसर्जन-तोत्प
 गु॥ सत्-भिंगु॥ असत्-मभिंगु॥ सोम-ध्वं
 सोमपा-ध्वंत्वनीह्म॥ सुनोति-त्वनी॥ मयं
 पिवति-मयत्वनी॥ कारुक्-ज्यायार्पिं॥
 घूर्णा-इकुईगु॥ घूर्णित-इकुल॥ सोपान
 स्वाहाने॥ निःश्रेणी-कृता॥ सोपानफलक
 त्वाथे॥ भिक्षु-शारिपुत्रमौद्गल्यायन-आ
 नन्द-पूर्णा॥ अनिरुद्ध-सुभूति-राऊल-का
 श्यप-गयाकाश्यप-नदीकाश्यप-उल्लविल्या

काश्यप-शारावासी-उपगुप्त॥श्रावकाभि
 शुशी॥उपासक-उपासंचनीस॥उपासि-
 का-मिसाउपासंचनीस॥व्रती-व्रतयार्इ
 पिं॥तपस्वी-तपस्यायार्इपिं॥तपस-तप
 स्या॥सूप-चीभा॥उर्वोध-बुध्यायथाक
 स॥गभस्तिमाला-रश्मिमाला॥खेला-स्ति
 त्पगु॥संचूर्णान-चूर्णायगु॥पिष्ट-दुचुं
 उर्णाकोशात्-भूविवरान्तरात्-हस्तिकाः
 याचिमिसचाल॥उल्लीष-गजु॥स्थितथा
 तंचनीगु॥द्विस्वभाव-निगुस्वभाव॥भृंग-
 षट्पद-अलि-भमा॥शतपदी-हूयवी॥ख
 योत-घीघीकेरा॥स्वच्छन्द-स्वाधीन-स्वतं
 त्र-यवयथा॥स्वच्छन्दचारी-यवयथ्यच

लेज्जागु॥परतंत्र-पराधीन-कतपिनियथ्य
 होम॥यज्ञ-अधर-मख-क्रतु-जज्ञ॥पाठावा
 रणी॥महायानसूत्र॥हृष्ट-हर्षा-पुष्ट-पोस्त
 स्या॥गत्तानी-गंसी॥त्रिकोरा-स्वकुं॥चतुरस्त्र
 ष्यकुंला॥खिन्न-क्षिष्ट-उद्विग्न-थकेज्वीगु
 आयास-आवुयीगु॥अनायास-हतासम
 चार्इगु॥निर्मित-कृत्तिम-दयकातयगु॥
 अनिर्मित-दयकामतवगु॥गुहा-गुफा॥
 अराज-खचंजन्मजीपिं॥स्वेदजा-चल
 तिजन्मजीपिं॥जरायुजा-पिलिंभुनाज
 न्मजीपिं॥औपपाउका-सुपाचंजन्मजी
 पिं॥चतुर्योनि-ष्यंगुजोनि॥पपौ-त्वन॥व
 वौ-वहेजुल॥जगौ-जगाद-धाल॥ददौ-वि

न॥ वशिष्-वंजा॥ वशिज्य-वेपारा॥ से
 य-सीकगु॥ देय-वीगु॥ पेय-त्वन्पगु॥
 खाद्य-चोष्य-भोज्य-नयगु॥ लेख-फय
 गु॥ समर्थ-शक्ति-पराक्रम॥ मयो-वन
 ॥ देवदत्तीय-देवदत्तयागु॥ कृष्णराजी
 य-कृष्णराजयागु॥ इष-इच्छा॥ चिकीर्ष
 ति-यायगु इच्छायाई॥ पिपठिषति-वोन्य
 गु इच्छायाई॥ जिगमिषति-वन्यगु इच्छा
 याई॥ कृष्णति-कृष्ण्यं आचारयाई॥
 व्यतिलुनीते-वंध्यन्यमागु वंध्यना॥ व्यति
 गच्छति-वन्नन्यमागु वन्ननी॥ व्यतिद्यन्ति
 -वंस्यायमागु वंस्याई॥ पुत्रकाम्यति-काय
 इच्छायाई॥ पुत्रकाम्यां चकार-काय इच्छा

यात॥ पुत्रीयति-ह्याय इच्छायाई॥ केश
 केशी-वनं सज्वना इच्छायाईगु॥ दराडादराडी
 -वनंतुतांज्वना इच्छायाईगु॥ शाकपार्थिव-
 तर्करिप्रेमहराजा॥ जीवमत्स्य-स्थानान
 यतलहिनातलन्या॥ देवब्राह्मणा-योपूजा
 याईसब्राह्मणा॥ उप-समीपा॥ उपाध्याय-
 उपाध्या॥ आचार्य-आचाजु॥ आचार्यानी-
 आचानी॥ जहो-तोतल॥ उल्का-उलकाहे
 ला॥ निखुर-परुष-ग्राम-गामभाषा॥ या
 त्रा-जात्रा॥ दराडी-तुतांडह॥ निगड-त्य
 व॥ क्षुरकर्म-संखायगुज्या॥ तस्थो-चन॥
 दिगुणा-निडगां॥ त्रिगुणा-स्वडगां॥ एकवा
 -द्वधा॥ द्विधा-निधा॥ त्रिधा-स्वधा॥ षोडश-खु

धा॥समास निर्णय-निश्चययायगु॥भा
 षा॥जिज्ञासा-सीकागुइच्छा॥हल-हल
 कतृहल-कौतुक-आश्चर्य॥कर्ता-याई
 ह॥हर्ता-फुकीह॥गता-वनीह॥दाता-
 बीह॥सृष्टि-सृष्टियायगु॥पृथक्-भि
 न्न-दुत्तार॥मत्तः-जिकां॥मुद्रा-दां॥न
 य-या॥नयति-यंकै॥मर्कटक-माकचा
 अहि-सर्प-भुजंग-बाल-उरग-पन्नग-
 सर्प॥फरणा॥गरल-क्षेद-विषा॥विष
 वैद्य-जांगुलिक-बालग्राही-अहितुरिड
 क-विषलिकाईहवैद्य॥वैतरणी-नर
 कयाखुसि॥ग्राह-ग्रह॥वात-पित्त-श्लेष्म
 संनिपात-कफ॥ग्रह॥ज्वर॥विषमज्व

रानवग्रहासूर्य-चन्द्र-मंगल-बुध-बृह
 स्पति-शुक्र-शनि-श्वर-राहु-केतु॥गलग
 राड-गराड-माला-गल॥शोठ-मनावैगु॥
 अरोचक-नयमयोग॥तिथि-प्रतिपदा-
 द्वितीया-तृतीया-चतुर्थी-पंचमी-षष्ठी-स
 प्तमी-अष्टमी-नवमी-दशमी-एकादशी-
 द्वादशी-त्रयोदशी-चतुर्दशी-पूर्णा-मासी॥
 नक्षत्र-अश्विनी-भरणी-कृत्तिका-रोहि
 णी-मृगशिरा-आर्द्रा-पुनर्वसु-तिथि-अश्वे
 षा-मघा-पूर्वफाल्गुनी-उत्तरफाल्गुनी॥
 हस्ता-चित्रा-स्वाति-विशाखा-अनुराधा-ज्ये
 ष्ठा-मूल-पूर्वाषाढा-उत्तराषाढा-अभिजि
 त्-श्ववराणा-धनिष्ठा-शतभिषा-पूर्वभद्र-उ

नरभद्ररेवती॥योग-विष्कम्भ-प्रतिआ
 युष्मान्-सौभाग्य-शोभन-अतिगराड-सु
 कर्मा-धृति-भूल-गराड-वृद्धि-ध्रुव-शङ्कु-
 व्याघात-हर्षरा-वज्र-सिद्धि-व्यतीपात-
 बलीयान्-परिध-शिव-सिद्धि-साध्य-शुभ-
 शुक्ल-ब्रह्म-रेन्द-वैधृति॥वाराकरणा॥
 राशि-मेष-वृष-मिथुन-कर्कट-सिंहक
 त्या-तुला-वृश्चिक-धनु-मकर-कुंभ-मीना॥
 भोजोहार-स्वलरिवेयाईसग्रहाशक
 निश्मा॥यमदूत-जमदूत॥किंकर-दूत-
 भवति-ज्वी॥रुधते-वरुज्वी॥स्पृष्टते-स्प
 र्खियाईगाधते-प्रतिष्ठायाई॥वाधते-
 वाधक्याईनाथते-नाधते-फोनी॥दध

ते-धारणायाई॥सुन्दते-मोहुरावन्दतेन
 मस्कारयाई॥भन्दते-कल्पाराज्वी॥मन्दते
 -मन्त्राज्वी॥स्पन्दते-भतीचासनी॥क्तिन्दते
 -शोकज्वी॥मोदते-हर्षज्वी॥ददते-वी॥स्व
 र्दते-स्वादकाई॥उर्दते-गुमानयाई॥कूर्दते
 गूर्दते-गोदते-क्षिते॥सुदते-ज्वे॥हादते-सु
 खज्वी॥हादते-कुतमजूगुशब्दवो॥पेदते-
 निंदायाकगुशब्दवो॥यतते-जन्तयाई॥क
 त्ता-निन्दा॥यंचालय-छापाखाना॥विद्या
 र्थी-आरववनीसमचा॥उर्द्धगामी-चेवनी
 सान-मखु॥सुष्टु-भिनकं॥त्वरया-याक
 नो॥सःनपठति-वन्वनीमखु॥तेत्वरयाभाव
 नि-शुपियाकनंबावनी॥यूयंसुष्टुपठय-

छिमिसंवांलाक बा॥ नकीडामि-हित्यम
 खु॥ वयं नितान्तं नकीडामः-जिपिंहिंहि
 हित्यमखु॥ सत्वरयापठति-व्याकने
 बोनी॥ तेवरं लिखन्ति-धुमिसंवांलाक
 चै॥ यूयं त्वरयागच्छ-हिपियाकनं डं
 ॥ वयं त्वरयानधावामः-जिपियाकनं वां
 वन्यमखु॥ युवां-हिपिनिह्म॥ आवां-जि
 पिनिह्म॥ अहोरात्र-चहिहिहि॥ अमावा
 स्या-असि॥ पूर्णमासी-पुहि॥ अयनस
 र्ययागति॥ उत्तरायन-उत्तरगति॥ दक्षि
 णायन-दक्षिणगति॥ पक्ष-वाहि॥ शु
 कपक्ष-त्विमिला॥ कृष्णपक्ष-खिमि
 ला॥ षट् ऋतवः-खुगुच्छत-शिशिरव

सन्त-ग्रीष्म-वर्षा-शरत्-हेमन्त॥ योग-
 जोग॥ चतुर्युग-प्यंगुजुग-सत्य-चेतादा
 पर-कलि॥ वदरिका-वयसि॥ स्वयमे
 व-व्यवध्यथमनं॥ दृष्टधर्मेषु-खंगुधर्मे
 वर्णान-वयान्॥ मनसि कर्तव्या-मतीत
 यमा॥ मनुं-मानेजुयत॥ प्रयुं-न्यत॥
 स्थातुं-चन्यत॥ गनुं-वन्यत॥ मर्तुं-सी
 तावक्तुं-धायत॥ भोक्तुं-नयत॥ पातुं-
 त्वन्यत॥ नक्षम-मफु॥ क्षम-फु॥ निति
 रि-तित॥ जीवं जीव-जिवं जूफुंग॥ कुत्त
 -कलखा॥ वातप्रमी-रुरु-चलाविशेष
 ॥ चमरी-चामोसा॥ सितातपत्र-तुयुगु
 कसा॥ गुच्छ-सवक-धावा॥ कष-कस

घन-मुग। गुंजा-गुंजाफल-खयमुखपू
 नागराजा-अनन्त-तक्षक-सोमशिरवी
 शंखपाल-सुरूप-कुलिक-अपराल
 नन्द-उपनन्द-वासुकि-वरुणा-पद्म-म
 हापद्म-श्रीकान्ति-जलु-ककोटक-शे
 ष-रत्नपत्र-धर्मस्वामी॥ अम्बरा-घता
 चीमेनकी-रंभानयना-तिलोत्तमा-सु
 केशी-मंजुघोषा-उर्वशी॥ प्रागेव-हृपां
 निस्थं॥ भाग-अंश-भाग॥ प्रतिविभाग-
 रुग-भाग-तत्कथं-ध्वग्या॥ ननु-नि
 श्रया-गोचर-वन्धुफुग॥ अगोचर-व
 न्धुमफुग॥ किन्नर-गृह्यते-द्वयमकारं
 सूचीमुखप्रेत-कैचाप्यंगुलुतलप्रेत

तीर्थिक-तीर्थेचनीस॥ ऋषि-अगस्त्य-
 पुलस्त्य-वैशंपायन-सुमन्त-जैमिनी-व
 त्स-भृगु-अंगिरा-ऋतु-पुलह-वशिष्ठ-
 व्यास-वाल्मीकि-गर्ग-धौम्य-पोराशर-वा
 शिष्ठ॥ खुर-खो॥ खुर-खोचा॥ खुरधारा
 -खोचायाधा॥ महायान-श्रावक-प्रत्येक-
 खंगुयान॥ बोधिचर्या॥ बोधिज्ञान॥ विधि
 सत्व॥ महासत्व॥ षडायतन-खुरइन्द्रि
 या-पंचभूत-आप-तेज-वायु-पृथ्वी-आका
 श॥ पंचानन्तर्य-पंचमहापाप-न्यागुतचो
 गुपापा-गुरुतल्प-गुरुस्त्रीगमन॥ पंचस्क
 थ-रूप-वेदना-सत्ता-संस्कार-विज्ञान॥
 पंचबुद्ध-वैरोचन-अशोभ्य-रत्नसंभव

अमिताभ-अमोघसिद्धि-सप्तबुद्ध-वि-
 पश्ची-शिखी-विश्वभू-क्रक-रुद्र-कन-
 कमुनि-काश्यप-शाक्यसिंह-अथर्वो-
 धिसत्व-आर्यावलोकितेश्वर-मैत्रय-ग-
 गनगंज-समन्तभद्र-वज्रपाणि-मंजुश्री-
 सर्वराी-वरराविष्कम्भी-क्षितिगर्भ-रव-
 गर्भ-मुष्टि-वद्धा-मुक्तिंकिना-परिणाम-प्रसा-
 र्य-लाहचक्रका-करमुद्धृत्य-लाहाथ-
 कया-गरादृषक-पासा-उपगूढ-आश्ले-
 ष-यसपीगु-दलधावन-दतिव्रंयाय-
 गु-मुखशुद्धि-सुतुशुद्धयायगु-पला-
 यन्ते-विसुंवनी-तृणाशया-यासया-
 तारा-कुशासनासीन-कुशआसनया-

नाचंसयात-तूलासन-कपासयाला-
 सा-कर्पास-तूल-कपासा-पाठ-शौम-
 उकूल-पाता-पत्र-पाता-पट-वस्त्रा-चि-
 ह-अंक-लाङ्घन-चि-लक्षरा-चिह्नात-
 त्कस्यहेतोः-श्वरुयाकाररोग-वालभाव-
 त्वात्-मूर्खयाभावजुगुलिं-अन्धत्वात्-
 कांजुगुलिं-अथखलु-थनंलिनिश्चय-
 नो-नोदिजति-नसंत्रस्थति-नसंत्रासमा-
 पद्यते-गार्हमुख-इष्टिका-अपा-रचि-
 त-विरचित-दयकल-त्रियान-स्वंगु-
 याना-इहेव-थनहो-प्रिय-योसा-अ-
 प्रिय-मयोसा-मनाप-त्रेमसा-आशय-
 अभिप्राय-आशया-इष्ट-मिंशु-अनि-

श-मभिङ्गु॥मिश-साकगु॥आदर-सत्का
 र-सन्मान-मान्य॥संभेद-समागम-नाप
 लाईगु॥वियोग-वाईगु॥प्रवासी-परदे
 शी॥रोगशान्ति-रोगलाईगु॥कियचि
 रचरितावी-गुलिताकालंचलेयाकसु॥
 आगम-धर्मशास्त्रा॥समासात्-भिनकं॥
 अपूर्व-हूपामउगु॥कुशल-पुण्य॥अ
 कुशल-पाप॥आदीप्त-सापथीगु॥ज
 वेन-बलात्कारेरा-बलं॥प्रसाद॥क्षरा
 संपद-क्षरामात्रसंपत्ति॥पुरुषार्थ॥मि
 थयनाश्वकारे-रवातुकसुपाचवयाखि
 उत्पचनीवले॥बुद्धानुभाव-तथागत
 याप्रभाव॥सुघोर-घोर-भयंकराउः

त्नावयति-उत्तारयति-तरेज्वी॥अमि
 तान्-अप्रमेयान्-असंखेयान्-असं
 ख्य-आपालनं॥अपरिमारात्-परिमारा
 मदयक॥विशीर्णा-स्पंगु॥चर्चित-सुफ
 टित-तज्यात॥पूयशोशितभक्षकाः-
 हिहिनैपि॥क्षुत्तृक्षुत्तृख-नयत्वनेपि
 त्यागुडःखापरिमुक्त-छुतेजुल॥ईक्ष
 रा-प्रत्यवेशरा-प्रेक्षरा-स्वेगु॥जीर्णा
 वस्त्र-श्वाथवसा॥चकोर-चारवरा॥दि
 जमुखतम-मुखस्रवासरारा॥खंज
 रीत-खंजंचा॥गौधेय-गौधार-कैत्या॥
 श्वावित्-चुसा॥मुकुल-मुखूकराल-
 हेमालयाहो॥गराडक-गयडामे॥गर्त-

खादल॥ अजगर-शयु-अजिंगरा॥ कंचु
क-ताहायविरु॥ कवच-वर्म-कवच॥
अवशिष्ट-ल्यंग॥ उन्मज्जन-उफरेजी
गु॥ निमज्जन-उत्पगु॥ सेवन-सूति-
स्वीगु॥ प्रस्नाव-चोफायगु॥ हनुं-खिफ
यत॥ सेवमाना-सेवायायमपि॥ सुतरां
-तच्चतं॥ कौटिल्य-वामा-वेको॥ वेतनज्या
ला॥ मूलधन-रासा-लाभ-लव॥ दहर-
-ल्यायहा॥ पञ्चत्व-सीगु॥ ममात्ययात
जिमउसंलिपा॥ अर्भक-पोत-मचा॥ गा
यक-गायं॥ सप्रसाधितसर्वांग-स्रु
संसुसाकुसायाना॥ दाक्षिणात्य-दक्षि
णायाहा॥ पश्चिमात्य-पश्चिमयाहा॥

३
सर्वभक्षी-जम्मानैहा॥ प्रभूत-प्रचुर-व
हुल-आपा॥ स्लोक-अल्प-अल्पीय-भ
तीचा॥ कांदिशिक-भयंग्यानाअनव
न्येथनवन्ममउहा॥ उर्भग-भाग्यमउ
हा॥ उर्लंघ-हाचांगायथाकुगु॥ चूडा
मशि॥ चिन्तामशि॥ कल्पवृक्षा॥ भद्र
घट-कल्पारायाईगुघ॥ वालार्क-वा
लसूर्य॥ आलोक-तेज॥ संपर्क-मील
न-मिलेजीगु॥ करपुट-लाहाज्वरेया
यगु॥ असकृत-वारंवारा॥ सकृद-हक
॥ आरम्भ-थालेयायगु॥ वियर्थ-नैष्क
त्य-व्यर्थ॥ क्षतनयनइव-मिखामउ
सथ्यं॥ वोम्नि-आकाशे॥ पापहन्त्री

पापफुकीस॥ आश्रये-आश्रययाये॥
इहेवत्वंपुरुषकर्मकरुष-हेपुरुष
थनहेज्याया॥ माभूयोत्यत्रगमिष्यसि
-हानंछमेथासवन्यमत्ये॥ निःशेष-वा
किमदयक॥ निष्काशय-पिका॥ नि
वर्गध्वं-लिहांडं॥ अनुप्रदास्यामि-लि
पावी॥ माविश-उहांवन्यमत्ये॥ प्रवेश
य-उका॥ प्रेषय-छे॥ माप्रेषय-छाय
मत्ये॥ उपवीत-यत्तसूत्र-जजंका॥
आकर्षणा-साल्यगु॥ इतस्तत आरु
ष-उरयंशुखंसाला॥ यत्तकरडल॥
अग्निशाला॥ अयिप्रियेहेप्रेमसूत्री
॥ हेवराननेहेवांलासूत्री॥ कुशलंके

चित्-कुशलजीला॥ उपायन-सौगा
न॥ शादी-पतासि॥ शाल्योदन-मारि
जाकियाजा॥ परिवेष-परिधि-सूर्यम
रडल॥ किरण-मयूरव-अंशु-मरीचि-
तेज॥ बंजन-पंखा॥ हरितानल॥ मनशि
ला॥ अम्रक-भिषा॥ पोरद-पाहू॥ पत्ति
-फिगु॥ विंशति-नीगु॥ त्रिंशत्-स्वीगु
चत्वारिंशत्-पीगु॥ पंचाशत्-न्येगु॥ ष
ष्टी-रबीगु॥ सप्तति-हेगु॥ अशीति-च
यगु॥ नवती-ग्वीगु॥ नवनवति-ग्वीगु
गु॥ सप्तसप्तति-हेहयगु॥ चतुराशीति
-चयपंगु॥ विहाय-तोता॥ निर्मद-म
दमडल॥ वल्लभ-प्रेमा॥ अथामृत-स

तुसिया अमृत॥ ओष्ठ अवर-सुतुसि॥
पदाति-सिपाही॥ कूल-तीर-प्रतीर-
तट-नदीतीरा॥ पोर-पारि॥ अवार-वा-
रि॥ पारावार-वारिपारि॥ दीप॥ जग-
ती भुवन-जगत-भव-संसार॥ जात्य-
न्ध-जन्मान्ध-बुद्ध-संनिसंकां॥ अत्य-
य-दोष॥ अतिक्रान्त-पुलावन॥ अ-
हंत-प्रशंसायायजोग्या॥ सम्यक्तं बुद्ध-
-मिनकं स्पृष्ट॥ विद्याचरणासंपन्नः
-विद्यायाचरणासंयुक्त॥ लोकविद-
-लोकयाज्यास्पृष्ट॥ अनुत्तर-उत्तरम-
उत्त॥ पुरुषदम्यसारथि-पुरुषया-
तसाद्रेयायगुलीसारथिसमाना॥ षो

उशवार्षिकावाला-फिरुदउस्मि
सा॥ नवयौवन-हृगुजौ मन॥ स्फटि-
क-फकी॥ अम्रकमादाय-फिरौ क-
या॥ पुन-नून-कम्॥ अधिक-आपा॥
सम्यतां-क्षमायायमा॥ गङ्गदस्वर-
खाखातृगुस्वरा॥ तारस्वर-तचेगुस्वर॥
अश्रुमुख-खभिडगुखा॥ साश्रुलोचन-
-खभिडगुमिखा॥ अश्रुपूरोलोचन-
-खभिजायकडगुमिखा॥ अन्तरीक्षे-
आकाशे॥ अस्थात-चन॥ बृह-ओद्य-
वृन्द-समूहा॥ यूथ-वथा॥ यूथप-व-
था॥ यामालिक॥ नायक-नायो॥ मुक्ता-
हार-मोतिमा॥ असार-सारमडा॥ सारा॥

तुच्छ-रिक्त-शून्य-भूया॥प्रज्ञप्त आस
ने-लायानवगुलासास॥निषसांच-
सयात॥व्यजिज्ञप्त-विंतियात॥अथा
ग्रेषा-थौं आरम्भं निरस्य॥गृहीष्यामि-
काये॥नय-न्याय-तर्क-न्याये॥धव
लायते-नीयावत॥चरएकरायते-
सूर्यव्यंजयावत॥वज्रायते-वज्रव्यं
जुयावत॥सूचीकुलायते-मुलुथं
जुयावत॥स्फुलिङ्गायते-मिफुरतिथं
जुयावत॥तिमिरायते-खिउंयावत
॥भारायते-आतुयावत॥हाहाह-ह
न-हहंत-खेद॥हीही-आश्चर्ये॥जा
र-उपपति-ल्यवा॥कुराउ गोलक-जा

४०
रपुत्र॥लीन-संलीन-लीनजीगु॥
बुत्पाय-दना॥मरिामय-मरिामु
कारत्नखचित-रत्नथुनागु॥विदि-
त्वा-सीका॥कराठेथिता-कराठउथय
जूगु॥हरि-नारायणा॥श्रियःपति-ल
क्ष्मीयास्वामि॥जगन्निवासः-जगत्
यावासस्थान॥जगत्-संसाराशसितं
-सत्यकन्यायायनिंति॥श्रीमति-रेश्व
र्यंसंयुक्तजुयाचंगु॥वसुदेवसप्रति
वसुदेवयाहें॥वसन्-चनान्चवले॥
अम्बरात्-आकाश॥अवतरन्तं-कहां
ओह्म॥हिरापगर्भाङ्गभुवं-ब्रह्माया
शरीरंउत्पत्तिजूह्म॥मुनिंददर्श-मुनि

भरखन॥ अनूरुसारथेः श्रीसूर्यया
॥ गतं-गति॥ तिरश्चीनं-वेकगु॥ हवि
र्भुजः-अभिया॥ उर्द्धज्वलनं-चेष्टेगु॥
प्रसिद्धं-प्रसिद्धजू॥ सर्वतोविसारिधा
मः-सकभनंफैलेजूगतेज॥ अधःपत
ति-केकाहावल॥ किमेतत्तइति-श्व
दुष्यं धका॥ आकुलं-आकुलवाक
लजया॥ जनैः-लोकपिसांरिक्षितं-
स्वयाचना॥ विभु-व्याप्तमानस॥ सः
हरिः-धुस नारायणा॥ पुरा-होपां॥
वियांचयइति-तेजयाममूहवका॥
अवधारितं-निश्चययात॥ ततः-थ
नंलि॥ विभाविताकृतिं-शरीरदुते

89
जुसंलि॥ शरीरति-प्राणीधका॥ वि
भक्तावयवं-अवयवदुतेजुसंलि॥
पुमानिति-पुरुषधका॥ अमुं-श्वेत॥
क्रमात्-क्रमव्यां॥ नारदइति-नारद
धका॥ अवोधि-वुह्यजुल॥ अमन्त्र
यतेस्म-सतल॥ आरोचयति-सत्नति
॥ प्रथमतः-दकसिवेहापां॥ आदिश
त्-समुपादिशत्-आज्ञादयकल॥
वक्तुमर्हसि-आज्ञादयकाविज्माऊं
अधोषणा-फोन्पगु॥ इति-धुलि॥
॥ शुभम्॥ ॥ शुभम्॥

स
भ

ॐ नमो रत्न त्रयाय

वागीश्वरं महाबोधिं सर्वविघ्नवि
नायकं ॥ सर्वज्ञं नानदातारं धर्मका
तुं नमाम्यहं ॥ पापसमस्तप्रतिद्वेश
यामि कायेन वाचा मनसा कृ
तं यत् ॥ एतत्पुत्रीनाममुमेद
यामि ॥ तदेव बोधोपरिणामया
मि ॥ तत्र त्रयं मेशरं प्रयामि
कायोदित्रिभ्यः प्रतिदौक्या
मि ॥ मि



नमो





824 I

ASHA ARCHIVES